राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा

राजस्थान में सिविल जज बने गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के 16 विद्यार्थी

सफल होने वालों में सात छात्राएं भी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. राजस्थान हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से घोषित किए गए राजस्थान न्यायिक सेवा (आरजेएस) भर्ती परीक्षा 2018 के परिणाम में चयनित 197 उम्मीदवारों में 16 विद्यार्थियों का गुजरात से भी नाता है। गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (जीएनएलयू) के 16 विद्यार्थी राजस्थान में घोषित आरजेएस भर्ती परीक्षा में सिविल जज के पद पर चयनित हुए हैं। इन 16 विद्यार्थियों में से 7 छात्राएं हैं।इससे पहले से ही जीएनएलयू के 10 पूर्व विद्यार्थी राजस्थान न्यायिक सेवा में अभी कार्यरत हैं। इस तरह अब इनकी संख्या बढ़कर 26 होने वाली है। गुजरात की न्यायिक सेवा में भी जीएनएलयू के 14 विद्यार्थी कार्यरत हैं। राजस्थान न्यायिक सेवा भर्ती परीक्षा 2018 में चयनित होने वाले जीएनएलयू के 16 विद्यार्थियों में हर्षिता राठौड़, हिम्मत राज, अक्षत वर्मा, हनुमान मीणा, दिग्विजय देथा, प्रमोद पंवार, आकांक्षा मीणा, हर्ष मीणा, विजय कुमार बाकोलिया, नरेन्द्र मीणा, पूजा मीणा, मोनिका धनोल, निधि पूनिया, सोनिका मीणा, नेहा खरे और नवीन मीणा शामिल हैं।देश की न्यायिक सेवा में 50 से ज्यादा जीएनएलयू के विद्यार्थीदेशभर की न्यायिक सेवा में जीएनएलयू के 50 से ज्यादा पूर्व विद्यार्थी कार्यरत हैं। इनमें 10 राजस्थान न्यायिक सेवा में कार्यरत है।

हर्षिता राठौड़

नवीन मीणा

यह जीएनएलयू के लिए गौरव की बात है कि इतनी बड़ी संख्या में यहां के पूर्व विद्यार्थी देश की न्यायिक सेवा में योगदान दे रहे हैं। राजस्थान न्यायिक सेवा भर्ती परीक्षा 2018 में सफल हुए 16 विद्यार्थियों का नाम भी जल्द इसमें जुड़ जाएगा।

डॉ एस शांता कुमार,
निदेशक, जीएनएलयू

सफल अभ्यर्थियों से बातचीत @ पेज 2 पर

आरजेएस भर्ती 2018 में जीएनएलयू के 16 विद्यार्थी हुए हैं सफल...

राजस्थान न्यायिक सेवा में चयनित उम्मीदवारों ने बताए सफलता के गुर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

अहमदाबाद. राजस्थान हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से घोषित किए गए राजस्थान न्यायिक सेवा (आरजेएस) भर्ती परीक्षा 2018 के परिणाम में चयनित 197 उम्मीदवारों में 16 उम्मीदवार गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (जीएनएलयू) के विद्यार्थी रहे हैं। आरजेएस भर्ती परीक्षा में सिविल जज के पद पर चयनित हुए इन 16 विद्यार्थियों में से 7 छात्राएं हैं। इन विद्यार्थियों ने सफलता के मंत्र भी बताए हैं। ज्यादातर का कहना था कि सफलता के लिए जरूरी है कि आप ईमानदारी से कठिन परिश्रम करें। कानून को समझें और बीएआरई एक्ट (बेअर एक्ट) को अच्छे से पढ़ें और उसके कॉन्सेप्ट को भी समझें। खुद पर विश्वास रखें। रिवीजन करें। सोशल मीडिया का सीमित उपयोग करें।

हिम्मत राज

अक्षत वर्मा

आकांक्षा मीणा

हर्ष मीणा

विजय बकोलिया

मोनिका धनोल

निधि पूनिया

सोनिक्रा मीणा

नेहा खरे

अच्छी तैयारी के बूते पाई जा सकती है सफलता : नवीन मीणा

राजस्थान न्यायिक सेवा भर्ती परीक्षा 2018 में सफल होने वाले में जयपुर जिले के कोटपुतली निवासी नवीन मीणा भी शामिल हैं। नवीन ने जीएनएलयू से 2018 में एलएलबी की पढ़ाई करने के बाद वर्ष 2019 में ही एलएलएम की पढ़ाई भी पूरी की है। वे परिवार के इकलौते सदस्य हैं जो न्यायिक सेवा में जुड़ेंगे। उनके पिता राम अवतार मीणा बैंक में मैनेजर के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। नवीन बताते हैं कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) तथा साक्ष्य अधिनियम की पढ़ाई अच्छे ढंग से करनी चाहिए। इसे समझना जरूरी है। सेल्फ नोट बनाना बेहतर होता है। खुद पर विश्वास जरूरी है। जरूरत लगे तो कोचिंग लें। बेअर एक्ट को अच्छी तरह से तैयार करें। सफलता जरूर मिलेगी।

एक साथ सिविल जज बने भाई-बहन

पूजा मीणा

राजस्थान न्यायिक सेवा भर्ती परीक्षा 2018 (सिविल जज केडर) के घोषित परिणामों में चयनित होने वाले 197 उम्मीदवारों में भाई-बहन भी शामिल हैं। दोनों ने एक साथ तैयारी करते हुए इस परीक्षा में सफलता पाई है। राजस्थान के दौसा जिले के बसवा गांव निवासी पूजा मीणा और उनके भाई नरेन्द्र मीणा दोनों ही आरजेएस 2018 भर्ती परीक्षा में सफल हुए हैं। पूजा मीणा ने 115वीं रैंक पाई है, जबकि नरेन्द्र मीणा की 196 रैंक है। पूजा मीणा ने जीएनएलयू से वर्ष 2011-16 बैच में बीबीए-एलएलबी कोर्स किया है। वे बताती हैं कि आरजेएस में सफलता पाना कठिन बात नहीं है। जरूरी है कि आप ध्यान से पढ़ाई करें। बीएआरई एक्ट (बेअर) एक्ट को अच्छे से तैयार करें।

नरेन्द्र मीणा

उनके भाई नरेन्द्र मीणा ने भी जीएनएलयू से वर्ष 2016-2017 में एलएलएम किया है। नरेन्द्र बताते हैं कि सफलता के लिए जरूरी है कि आप घंटों को तय करके पढ़ाई करने की जगह ध्यान लगे उतने समय तक ईमानदारी से पढ़ें। बेअर एक्ट को अच्छे से तैयार करें। पूर्व परीक्षाएं के प्रश्न हल करना भी मददगार होता है।

इन दोनों ही भाई-बहन का चौथे वर्ष 2018 में ओरिएंटल इंश्योरेंस के लीगल ऑफिसर भर्ती में भी एक साथ ही चयन हुआ था। अभी नरेन्द्र मीणा छत्तीसगढ़ बिलासपुर में कार्यरत हैं, जबकि पूजा मीणा मुंबई में कार्यरत हैं। नरेन्द्र मीणा बताते हैं कि वे खुश हैं कि दोनों भाई बहन एक साथ आरजेएस में चुने गए हैं।

बेअर एक्ट को बनाएं मुख्य आधार: देथा

दिग्विजय देथा

आरजेएस 2018 में सफल होने वाले दिग्विजय देथा मूलरूप से बाड़मेर से हैं फिलहाल जोधपुर में रहते हैं। जीएनएलयू से वर्ष 2013-18 बैच में बीए एलएलबी की पढ़ाई की है। वे बताते हैं कि वे परिवार के पहले सदस्य हैं जो न्यायिक सेवा में जा रहे हैं। देथा बताते हैं कि आरजेएस के लिए बेअर एक्ट को आधार बनाते हुए तैयारी करनी चाहिए। अन्य लॉ की भी अच्छे से तैयारी करें, लेकिन इस पर ज्यादा ध्यान केन्द्रित करें। रिवीजन को तवज्जो देना ना भूलें।

स्मार्ट स्टडी और रिवीजन को दें तवज्जो: हर्षिता राठौड़

जीएनएलयू से वर्ष 2012-2017 में बीए-एलएलबी ऑनर्स की पढ़ाई करने वाली राजस्थान के पाली जिले के वाडिया गांव निवासी हर्षिता राठौड़ ने भी राजस्थान न्यायिक सेवा भर्ती परीक्षा 2018 में सफलता पाई है। पिता एक ग्रामीण बैंक में रीजनल मैनेजर हैं और वे परिवार की पहली ऐसी सदस्य हैं जो न्यायिक सेवा में गई हैं। वे बताती हैं कि न्यायिक सेवा परीक्षा में पास होने के लिए उनके लिहाज से स्मार्ट स्टडी के अलावा रिवीजन को प्राथमिकता देनी चाहिए। किताबों से ज्यादा बेअर एक्ट को अच्छे से पढ़ना चाहिए। तैयारी मुख्य परीक्षा में सफलता को लक्ष्य बनाकर करना चाहिए। अंग्रेजी और हिंदी दोनों ही भाषाओं पर अच्छी पकड़ भी अहम है।

कठिन परिश्रम जरूरी: पवार

प्रमोद पंवार

प्रमोद पंवार बताते हैं कि आरजेएस में चयन के लिए जरूरी है कि आप कठिन परिश्रम करें। दिन में सात से आठ घंटे की पढ़ाई करके आप अच्छे से तैयारी कर सकते हैं। प्रोसीजर लॉ को अच्छे से तैयार करना चाहिए। सोशल मीडिया का सीमित उपयोग करें। जीएनएलयू से वर्ष 2012-17 बैच में उन्होंने बीए एलएलबी कोर्स किया है। बाड़मेर बालोतरा के निवासी हैं।

खुद के साथ ईमानदार रहकर करें तैयारी: हनुमान मीणा

हनुमान मीणा

आरजेएस में सफल होने वाले जयपुर जिले की कोट खावदा तहसील के राडोली गांव निवासी हनुमान मीणा बताते हैं कि आरजेएस में सफल होने के लिए जरूरी है कि आप खुद के साथ ईमानदार रहकर तैयारी करें। बिना हार्ड वर्क के सफल होना संभव नहीं है। उन्होंने बिना कोचिंग के सफलता पाई है। कोचिंग बिना भी सफलता संभव है। पिता खेती करते हैं।